मेरे सतगुरु आ जाओ

मेरे सतगुरु आ जाओ,
अखियाँ तरस रहियां आके दर्श दिखा जाओ,

सत्संग विच आ जाओ,
भूले होये लोक नु सच्चा रस्ता दिखा जाओ,

गंगा प्रेम दी वग दी ऐ,
मेरे साहिब दी वाणी अमृत लगदी ऐ,

सदा ठंडी ठंडी छा वेला,
मेरे साहिब जी मेनू चरना च था देना,

पंशी उड़ उड़ गाउंदे ने,
दर्शन कर गुरा दे सब दुःख मिट जांदे ने,

रोम रोम च समाये होये ने,
अज मेरे साहिब जी सत्संग विच आये होये ने

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/11140/title/mere-satguru-aa-jaao

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |